बसोहली उत्सव 2023



हमारे ऐतिहासिक गौरव के अनमोल हीरे और मोती बसोहली की जमीन पर बिखरे हुए हैं। इस स्थल का स्वर्णिम काल फिर से लौटे, इसकी कोशिश हम सभी को मिलकर करनी है।

– श्री मनोज सिन्हा
माननीय उपराज्यपाल
जम्मू-कश्मीर

(22 अक्टूबर, 2023)



बसोहली उत्सव 2023 में लगी प्रदर्शनी का अवलोकन करते जम्मू-कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा

बसोहली को अपना खोया हुआ गौरव प्राप्त करना है। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्थानीय लोगों में यह ललक पैदा कर दी है। वर्ष 2023 में आयोजित 'बसोहली उत्सव' के उद्घाटन समारोह में माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने कहा था- "हमारे ऐतिहासिक गौरव के अनमोल हीरे और मोती यहां बिखरे हुए हैं। इस स्थल का स्वर्णिम काल पुनः लौटे, इसके लिए हम सभी को जरूरी प्रयास करने होंगे। इच्छाशक्ति दिखानी होगी।"

समय की धारा ने भले ही बसोहली को हाशिये पर ठेल रखा है। लेकिन रावी का बहाव एक बार फिर गति पकड़ने वाला है, जिससे शहर को एक नया जीवन मिलेगा। छोटे-छोटे संयुक्त प्रयास संभावनाओं को पैदा करेंगे और किसी भी रुकावटों के कोहरे को चीर देंगे, जिससे बसोहली में रोशनी लौट आएगी। 'बसोहली उत्सव' उन्हीं छोटे प्रयासों का नाम है।







बसोहली उत्सव 2023 में आयोजित
विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्राओं
को पुरस्कृत करते गणमान्य अतिथिगण





‘बसोहली’ भारत के इतिहास में एक छोटा सा राज्य रहा है, लेकिन इसकी सांस्कृतिक समृद्धि के क्या कहने हैं! भानुदत्त की रचना ‘रसमंजरी’ का पूरा चित्रांकन यहीं हुआ। ऐसे कई उदाहरण हैं, जिसने देश-दुनिया में बसोहली चित्रकला को प्रसिद्ध कर दिया। वही मकाम बसोहली पश्मीना को भी हासिल रहा है। लेकिन समय की मार से इनपर धूल की परतें जम गईं। जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीयों के मन-मस्तिष्क में स्व का भाव जागृत किया है, बसोहली के लोग अपनी संस्कृति और इतिहास को लेकर गौरवान्वित हैं। बसोहली चित्रकाल की चमक लौट आई है।